BRIDGE COURSE - HINDI

From Class - IX to Class - X

Bridge course for 9th Students to 10th Class

HINDI

S.No.	Date	Period	Topic
1	13-03-206	Period 2	पूर्ण पाठ्यक्रम विश्लेषण, परीक्षा पैटर्न एवं ब्लूप्रिंट की जानकारी, प्रदर्शन सुधार रणनीतियाँ
2	16-03-206	Period 6	बरसते बादल - उन्मुखीकरण
3	17-03-206	Period 6	बरसते बादल - पाठ पठन
4	21-03-206	Period 3	बरसते बादल - अर्थग्राह्यता प्रतिक्रिया
5	23-03-2026	Period 6	बरसते बादल - अर्थग्राह्यता प्रतिक्रिया
6	26-03-206	Period 3	बरसते बादल - अभिव्यक्ति (सृजनात्मकता)
7	28-03-206	Period 3	बरसते बादल - भाषा की बात
8	30-03-206	Period 6	बरसते बादल - उपचारात्मक शिक्षण
9	02-04-206	Period 3	ईदगाह - उन्मुखीकरण
10	04-04-206	Period 3	ईदगाह - पाठ पठन
11	06-04-206	Period 6	ईदगाह - अर्थग्राह्यता प्रतिक्रिया
12	09-04-206	Period 3	ईदगाह - अर्थग्राह्यता प्रतिक्रिया
13	10-04-206	Period 3	ईदगाह - अभिव्यक्ति (सृजनात्मकता)
14	11-04-206	Period 3	ईदगाह - भाषा की बात
15	13-04-206	Period 6	ईदगाह - उपचारात्मक शिक्षण
16	16-04-206	Period 3	हम भारतवासी - उन्मुखीकरण
17	17-04-206	Period 3	हम भारतवासी - पाठ पठन, अर्थग्राह्यता प्रतिक्रिया
18	18-04-206	Period 3	हम भारतवासी - अभिव्यक्ति (सृजनात्मकता), भाषा की बात
19	20-04-206	Period 6	लघु परीक्षा - परिणाम समीक्षा

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

BRIDGE COURSE FOR CLASS X

HINDI

अध्यापक के लिए सूचनाएं -

अध्यापक छात्रों को दसवीं कक्षा के लिए तैयार करना इस कार्यक्रम का उद्देश्य है ।

1. इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों को समझाना चाहिए कि वे दसवीं कक्षा के पाठ्यक्रम को कठिन न समझे ।
2. शिक्षक छात्रों को हिंदी भाषा संबंधी ज्ञान का पुनःश्चरण कराना ।
3. उनके शब्द भंडार और लेखन करने की कौशल की जाँच करके नए पाठ्यक्रम को समझने के लिए सहायता करनी चाहिए ।
4. इस कार्यक्रम के अंतर्गत तीन पोठों का सामान्य परिचय कारने की सूचना दी गई है ।
5. इसके अनुसार पाठों का सामान्य परिचय कराके छात्रों के मन में नए विषय के प्रति जो झिझक है उसे दूर करना चाहिए ।

DAY-1: FRIDAY DATE : 13.03.2026

6. छात्र अध्यापक की सहायता से सम्पर्ण पाठ्यक्रम का अवलोकन करते हैं ।
7. अध्यापक छात्रों को ब्लूप्रिन्ट के अनुसार पाठचक्रम समझाते हैं ।

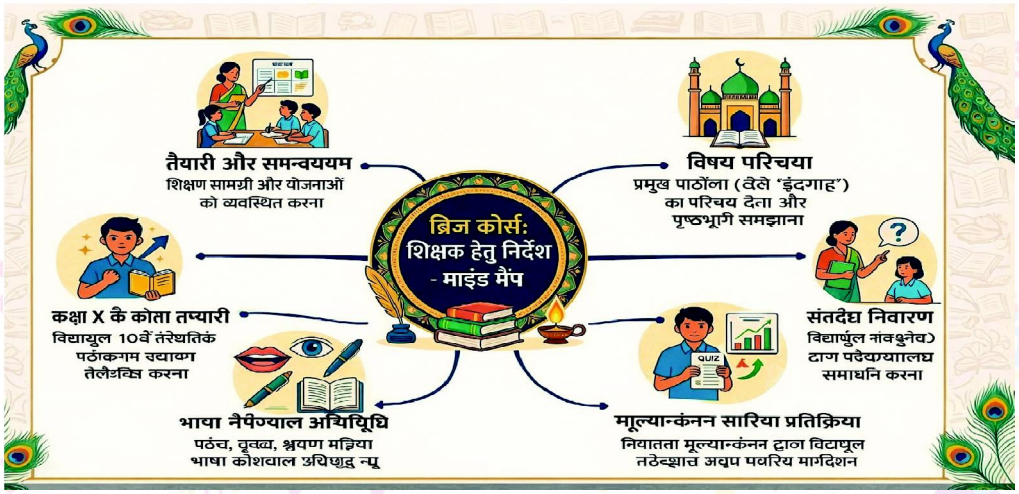

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

1. बरसते बादल

– सुमित्रानंदन पंत

उन्मुखीकरण

क्या गाती हो, किसे बुलाती,
बतला दो कोयल रानी।
प्यासी धरती देख माँगती,
हो क्या मेघों से पानी?

प्रश्न

1. मीठे गीत कौन गाती है?
2. प्यासी धरती पानी किससे माँगती है?
3. बादल प्रकृति की शोभा बढ़ाते हैं। कैसे?

उद्देश्य

प्रकृति के प्रति काव्य रचनाओं के प्रोत्साहन के साथ-साथ सौंदर्यबोध कराना, मनोरंजन की भावना जगाना और प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करना इसका उद्देश्य है।

विधा विशेष

'बरसते बादल' कविता पाठ है। कविता भावनाओं को उदात्त बनाने के साथ-साथ सौंदर्यबोध को भी सजाती-संवारती है। प्रस्तुत कविता नाद (ध्वनि) के साथ गेय योग्य है। इसमें अनुप्रास का सुंदर प्रयोग है।

कवि परिचय

प्रकृति के बेजोड़ कवि माने जानेवाले सुमित्रानंदन पंत का जन्म 20 मई सन् 1900 में अल्मोड़ा जिले के कौसानी गाँव में हुआ। सात वर्ष की उम्र में ही स्कूल में काव्यपाठ के लिए पुरस्कृत किए गए थे। साहित्य लेखन के लिए इन्हें 'साहित्य अकादमी', 'सोवियत रूस' और 'चिदंबरा' काव्य के लिए 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' दिया गया। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं – *वीणा, ग्रंथि, पल्लव, गुंजन, युगांत, ग्राम्या, स्वर्णकिरण, कला और बूढ़ा चाँद तथा चिदंबरा* आदि। इनका निधन सन् 1977 में हुआ।

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

विषय प्रवेश : *वर्षा ऋतु हमेशा से सबकी प्रिय ऋतु रही है। वर्षा के समय प्रकृति की सुंदरता देखने लायक़ होती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, मनुष्य और यहाँ तक कि धरती भी खुशी से झूम उठती है।इसी सौंदर्य का वर्णन यहाँ प्रस्तुत किया गया है।*

झम-झम-झम-झम मेघ बरसते हैं सावन के,
छम-छम-छम गिरती बूँदें तरुओं से छन के।
चम-चम बिजली चमक रही रे उर में घन के,
थम-थम दिन के तम में सपने जगते मन के।।

दादुर टर-टर करते झिल्ली बजती झन-झन,
'म्यव-म्यव' रे मोर 'पीउ' 'पीउ' चातक के गण।
उड़ते सोनबालक, आर्द-सुख से कर क्रंदन,
घुमड़-घुमड़ गिर मेघ गगन में भरते गर्जन।।

रिमझिम-रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,
रोम सिहर उठते छूते वे भीतर अंतर।
धाराओं पर धाराएँ झरती धरती पर,
रज के कण-कण में तृण-तृण को पुलकावलि थर।।

पकड़ वारि की धार झूलता है मेरा मन,
आओ रे सब मुझे घेर कर गाओ सावन।
इंद्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन,
फिर-फिर आये जीवन में सावन मनभावन।।

- सुमित्रानंदन पंत

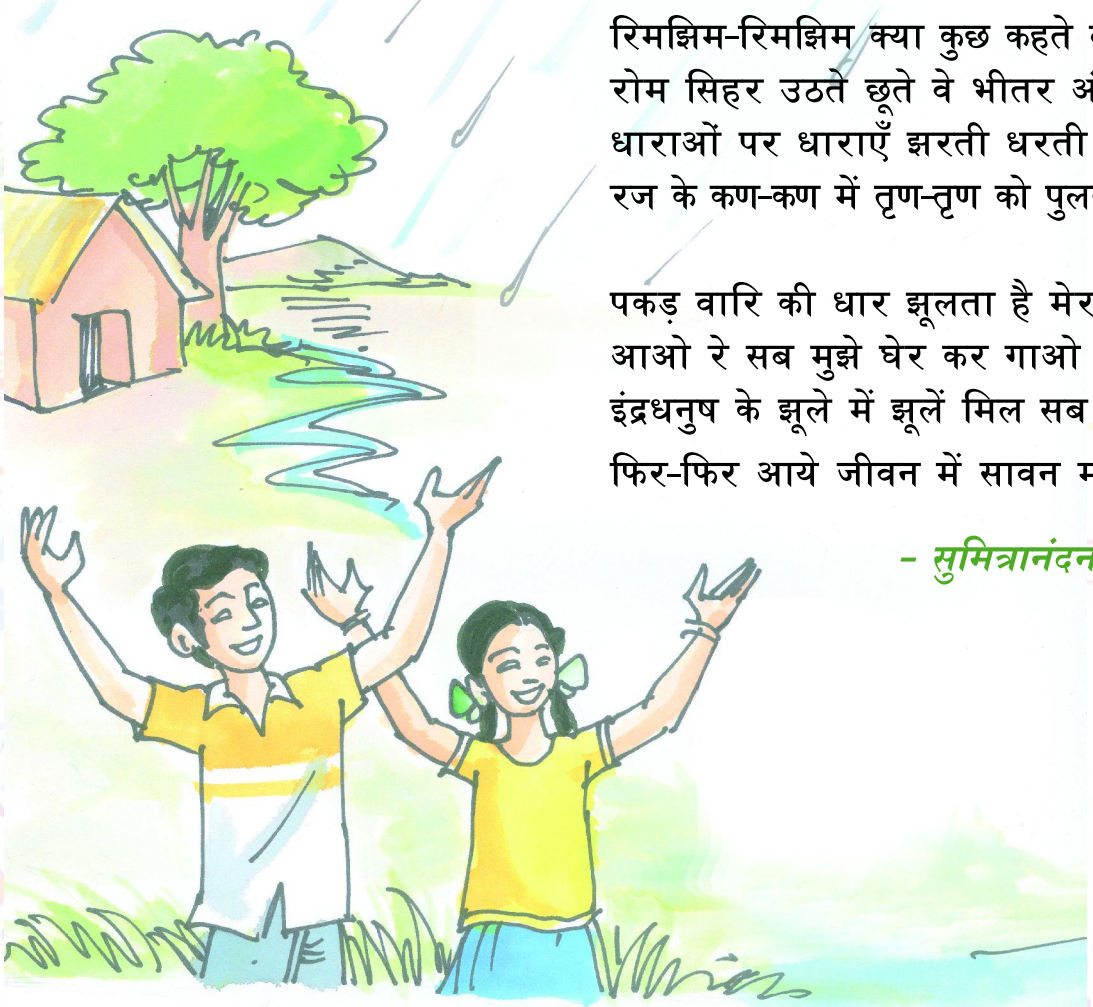

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

DAY-2: MONDAY DATE : 16.03.2026

1. बरसते बादल

अन्मुखीकरण -

1. अन्मुखीकरण में दी गई कविता सरल और बच्चों के स्तर के अनुसार है, जिससे वे आसानी से समझ सकते हैं ।
2. कविता वर्षा और प्रकृत से जुड़ी होने के कारण बच्चों की रुचि और जिज्ञसा बढ़ाती है ।
3. कविता के साथ दिए गए प्रश्न बच्चों को सोचने और अपने अनुभव बताने के लिए प्रेरित करते हैं ।
4. इन प्रश्नों के माध्याम से बच्चों का पूर्व ज्ञान सामने आता है और वे पाठ से जुड़ते हैं ।
5. इससे बच्चों मुख्य पाठ को समझने के लिए मानसिक रूप से तैयार हो जाते हैं ।

अध्यापक छात्रों से प्रश्न पूछें -

1. वर्षा ऋतु कब आती है ?
2. वर्षा होने पर प्रकृति में क्या परिवर्तन होते हैं ।
3. वर्षा हमें क्यों अच्छी लगती है ।

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

DAY-3: TUESDAY DATE : 17.03.2026

कविता - ''बरसते बादल''

पाठ पठन

कविता की लय, भाव और विराम का ध्यान रखते हुए दो - तीन बार अभ्यास कराया जाएग । कठिन शब्दों के अर्थ बताए जाएंगे ।

1. कविता में बरसते बादल और वर्ष ऋतु का सुंदर वर्णन किया गया है । इससे छात्रों में वर्षा में भीगने के अपके स्वयं अनुभव याद आएंगे ।
2. वर्षा से धरती, पेड़ - पौधे और वातावरण हरा - भरा और सुंदर हो जाता है ।
3. बरिश के समय बादल, बिजली और पानी बूंदें प्रक़ति की सुंदरता बढ़ाती हैं । प्रक़ति में नई शोभा आ जाती है ।
4. वर्षा से किसानों और जीव-जंतुओं को लाभ होता है ।
5. कविता हमें प्रकृति की सुंदरता का आनंद लेने और उसका महत्व समझने की प्रेरण देती है ।

प्रश्न :

1. वर्षा सभी प्राणियों के लिए जीवन का आधार है । कैसे ?
2. 'बरसते बादल' कविता में प्रकृति का सुंदर चित्रण है। उसे अपने शब्दों में लिखिए।
3. प्रकृति सौंदर्य पर एक छोटी-सी कविता लिखिए।
4. 'फिर-फिर आये जीवन में सावन मनभावन' ऐसा क्यों कहा गया होगा? स्पष्ट कीजिए।

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

अर्थग्राह्यता - प्रतिक्रिया

1. प्रश्नों के उत्तर - इसमें कविता से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं, जिनका उत्तर देकर विद्यार्थी कविता का अर्थ समझते हैं । अध्यापक स्वयं सरल प्रश्न पूछकर छात्रों को कविता के भाव समझने में सहायता प्रदान करना चाहिए । विशेश रूप से पर्यायवाची शब्दों पर ध्यान देना चाहिए ।
2. वाक्य उचित क्रम में लिखना - इसमें कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं जिन्हें सही क्रम में लिखना होता है । इससे बच्चों की समझ और भाषा कौशल विकासित होता है ।
3. भाव की पंक्तियाँ लिखना - दिए गए भावों के अनुसार कविता की सही पंक्तियाँ लिखनी होती हैं । जिससे कविता के भाव को समझने में मदद मिलती है ।
4. पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देना - कविता के एक अंश को पढ़कर बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं । इससे छोत्रों की पठन और समझने की क्षमता का विकास होता है ।

प्रश्न :

1. घने बादलों का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए ।
2. **पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

बादल और बूँदें, बंद किये हैं बादल ने
अंबर के दरवाजे सारे, नहीं नज़र आता है सूरज ना कहीं चाँद-सितारे?
ऐसा मौसम देखकर, चिड़ियों ने भी पंख पसारे,
हो प्रसन्न धरती के वासी, नभ की ओर निहारे।।

1. इसने अंबर के दरवाज़े बंद कर दिये हैं-
   (अ) आकाश (आ) सूरज (इ) चाँद (ई) बादल
2. पंख किसने पसारे हैं?
   (अ) चिड़िया (आ) मौसम (इ) धरती (ई) सितारे
3. पद्यांश में आया युग्म शब्द है-
   (अ) बादल-अंबर (आ) सूरज-चाँद
   (इ) चाँद-सितारे (ई) धरती-वासी
4. धरती के लोग किस ओर निहार रहे हैं?
   (अ) चिड़िया (आ) नभ (इ) बादल (ई) चाँद

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

अभिव्यक्ति - सृजनात्मकता

अ) के अंतर्गत छात्रों को विचार 3-4 पंक्तियों में लिखने के लिए कहा गया है, जैसे वर्षा के महत्व और वर्षा ऋतु की सुंदरता का वर्णन ।

आ) के अंतर्गत स्वरचना निबंधात्मक प्रश्न दिए गए हैं । ''बरसते बादल'' कविता में प्रक़ति का सुंदर चित्रण है । अपने शब्दों में लिखिए प्रश्न दिए गए हैं । छात्रों को प्रेरित करे कि स्वयं श्यामपट पर शब्दो में कविता के भाव को लिखा सकें ।

इ) के अंतर्गत सृजनात्मक अभिव्यक्ति प्रश्न प्रकृति सौंदर्य पर छोटी सी कविता लिखने के लिए कहा गया है ।

शिक्षक छात्रों को प्रेरित करे कि वे सरल शब्द से कविता लिख सकें ।

ई) के अंतर्गत प्रशंसा के प्रश्न फिर आए जीवन में सावन मनभावन ऐसा क्यों कहा गया होगा? स्पष्ट कीजिए - प्रश्न गया है ।

इससे छात्रों में रचनात्मक सोच और स्वलेखन करने की क्षमता विकासित होती है ।

प्रश्न :

1. वर्षा ऋतु के प्रकृतिक सौन्दर्य पर अपने विचार लिखिए ।
2. वर्षा, बादल, नदी, सागर, सूरज, चाँद, झरने आदि में किसी एक विषय पर प्रकृति वर्णन से जुड़ी कविता का संग्रह कीजिए ।
3. बहन की शादी में जाने के लिए तीन छुट्टी माँगते हुए कक्षाध्यापक के नाम पत्र लिखिए ।

कोष्टक में दी गयी सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए।

1. तरु, गगन, घन (प्रत्येक शब्द का वाक्य प्रयोग करते हुए पर्याय शब्द लिखिए।)
2. सावन, सपना, सूरज (एक-एक शब्द का तत्सम रूप लिखिए।)
3. गण, वारि, चंद्र (एक-एक शब्द का तद्भव रूप लिखिए।)
4. चम-चम, तृण-तृण, फिर-फिर (पुनरुक्ति शब्दों से वाक्य प्रयोग कीजिए।)

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

भाषा की बात

''अ'' शब्द भाडार के प्रश्न

पर्यायवाची शब्द, तत्सम रूप तद्भव रूप प्रश्न, पुनरुक्ति शब्द दिए गए हैं । कविता को आधार बनाकर इस अभ्यास को सम्पन्न करना चाहिए । आकलन परीक्षाओं को ध्यान में रखकर अभ्यास करना चाहिए ।

''आ'' शब्द संबंधी व्याकरणांश के प्रश्न ।

अंतर स्पष्ट कीजिए, पद परिचय, एक शब्द में लिखिए, समास पहचानिए ऐसे प्रश्न दिए गए हैं कि परिभाषा सरल शब्दों में बताकर पुनःश्चरण करवाना चाहिए ।

'इ'' शब्द संबंधी व्यावहारिक व्याकरणांश के प्रश्न ।

रेखांकित शब्दों पर ध्यान देकर इस तरह के कुछ वाक्य बनाइए प्रश्न दिए गए हैं । यहाँ क्रिया के सामान्य परिचय कराना चाहिए । क्रिया शब्दों को पहचानने के लिए और उदाहरण देना चीाहए ।

'ई'' वाक्य संबंधी, व्यावहारिक व्याकरण के प्रश्न हैं ।

तत्सम शब्द और तद्भव शब्द को समझिए ।

तत्सम शब्द :

संस्कृत शब्द जो हिंदी में बिना किसी परिवर्तन के उसी रुप में ग्रहण कर लिये जाते हैं, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं ।

उदाः श्रावण, मयूर, सूर्य, कृपा आदि ।

तद्भव शब्दः

संस्कृत के वे शब्द जो हिंदी में अपने परिवर्तित रुप में प्रचलित है, उन्हें तद्भव शब्द कहते है।

उदाः सावन, मोर, सूरज, किरपा आदि ।

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching) - '' बरसते बादल'' पाठ

1. जिन विद्यार्थियों को कविता पढ़ने में कठिनाई है, उन्हे शिक्षक अलग से - धीरे - धीरे और स्पष्ट पठन का अभ्यास कराएँगे । पठन की अशुद्धियों को दुर करने के लिए सहयोग प्रदान करें । लिखते हुए पठन करने का अभ्यास करवाए .
2. कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखकर उनके अर्थ और सही उच्चारण दोहराना चाहिए ।
3. कविता के भाव को समझाने के लिए आई, इफ, पी. के माध्यम से चित्र, उदाहरण और बातचीत का सहारा लिया जाएगा ।
4. पठन और लेखन में पिछडे छात्रों को समूह में बाटकर पढ़ने और प्रश्नों के उत्तर देने का अवसर दिया जाएगा ।
5. उनकी समझ बढ़ाने के लिए सरल अभ्यास और मौखिक प्रश्न पूछे जाएंगे ।
6. आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक अतिरिक्त अभ्यास कार्य और पुनरावृत्ति कराएँगे ।

प्रश्न :

अ) बरसते बादल कविता में प्रकृति का सुंदर चित्रण है । उसे अपने शब्दों में लिखिए ।

आ) कविता की पंक्तियों पर ध्यान दीजिए और अलंकार समझिए।

झम-झम-झम-झम मेघ बरसते हैं सावन के,

छम-छम-छम गिरती बूँदें तरुओं से छन के।

अलंकार शब्द का अर्थ है- आभूषण। किसी बात को साधारण ढंग से न कहकर चमत्कार व सौंदर्यपूर्ण ढंग से कहना ही अलंकार है।

इस कविता में अनुप्रास अलंकार का सुंदर प्रयोग हुआ है। जब वाक्य में कोई अक्षर या शब्द बार-बार प्रयोग होता है तो वहाँ वाक्य का ध्वन्यात्मक सौंदर्य बढ़ जाता है। इस प्रकार का काव्य-सौंदर्य अनुप्रास अलंकार कहलाता है।

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

2. ईदगाह

लेखक : प्रेमचंद

उन्मुखीकरण

उन्मुखीकरण के अंतर्गता दिए गए हैं ।

1. बाल- केंद्रित भाषा : कविता सरल, सहज और बच्चों की समझ के अनुकूल भाषा में लिखी गई है ।
2. उन्मुखीकरण कविता के प्रश्नों के माध्यम से बच्चें सहयोग और सहकारित जैसे मुल्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे जिससे पाठ को समझने में मदद मिलती है ।
3. कहानी विधा की जानकारी प्राप्त करेंगे । कहानी पढ़ने के लिए उत्सुक होंगे ।
4. कहानीकार का परिचय ऐसा प्रस्तुत करना चाहिए कि छात्र कहानीकार से संबंधित संकेतों के आधार पर कहानीकार के बारे में लिख सके ।

प्रश्न

1. अपने मन पसंद त्यौहार के बारे में लिखिए ।

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

ईदगाह - प्रेमचंद

उन्मुखीकरण

पथिकों को जलती दुपहर में,
पेड़ सदा देते हैं छाया।
खुशबू भरे फूल देते हैं,
हमको नव फूलों की माला,
त्यागी तरुओं के जीवन से,
हम भी तो कुछ देना सीखें।

प्रश्न

1. पथिकों को जलती दुपहर में सुख व आराम किससे मिलता है?
2. खुशबू भरे फूल हमें क्या देते हैं?
3. 'हम भी तो कुछ देना सीखें' - कवि ने ऐसा क्यों कहा होगा?

उद्देश्य

कहानी विधा की भाषा शैली से परिचित कराते हुए छात्रों में कहानी लेखन कला का विकास करना और त्याग, सद्भाव व विवेक जैसे संवेदनशील कर्त्तव्य बोध संबंधी गुणों का विकास करना और बड़े-बुज़ुर्गों के प्रति श्रद्धा व आदर की भावना का विकास करना है ।

विधा विशेष

'कहानी' शब्द 'कह' धातु के साथ 'आनी' कृत प्रत्यय जोड़ने से बना है। 'कह' का आशय 'कहना' से है । किसी घटना या बात का सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया जाना ही कहानी है । इस कहानी में दादी व पोते का मार्मिक प्रेम दर्शाया गया है । इसमें कथन व संदर्भ, वातावरण का सजीव चित्रण है । इसमें बाल्यावस्था की निर्मल भावनाओं का सुंदर प्रतिबिंब दर्शाया गया है ।

लेखक परिचय

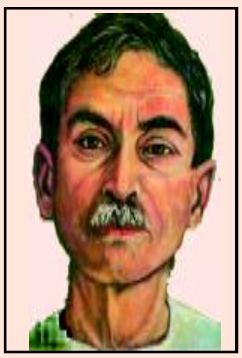

प्रेमचंद का जन्म एक ग़रीब घराने में काशी में 31 जुलाई, 1880 को हुआ। इनके बचपन का नाम धनपत राय श्रीवास्तव था। इन्होंने ट्यूशन पढ़ाते हुए मैट्रिक तथा नौकरी करते हुए बी.ए. पास किया। इन्होंने लगभग एक दर्जन उपन्यास और तीन सौ से अधिक कहानियों की रचना की। इन्हें ''उपन्यास सम्राट'' भी कहा जाता है। इनकी कहानियाँ मानसरोवर शीर्षक से आठ खंडों में संकलित हैं। *गोदान, गबन, सेवासदन, निर्मला, कर्मभूमि, रंगभूमि, कायाकल्प, प्रतिज्ञा, मंगलसूत्र* आदि इनके *प्रमुख उपन्यास हैं। इनकी कहानियों में पंचपरमेश्वर, बड़े घर की बेटी, कफ़न* आदि प्रमुख हैं।

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

विषय प्रवेश : *प्राचीन काल से ही नैतिक मूल्य भारतीय जीवन के प्रतिबिंब रहे हैं। इनके रूप हर भारतीय में समाए हुए हैं। हम अपने बुज़ुर्गों (वयोवृद्ध) का बड़ा ध्यान रखते हैं। जैसे इस कहानी में दर्शाया गया है-*

रमज़ान के पूरे तीस रोज़ों के बाद आज ईद आयी है। कितना मनोहर, कितना सुहावना प्रभात! वृक्षों पर कुछ अजीब हरियाली है। खेतों में कुछ अजीब रौनक़ है, आसमान पर कुछ अजीब लालिमा है। आज का सूर्य देखो, कितना प्यारा, कितना शीतल है! मानो संसार को ईद की बधाई दे रहा है! ईदगाह जाने की तैयारियाँ हो रही हैं।

लड़के सबसे ज़्यादा प्रसन्न हैं। बार-बार जेब से खज़ाना निकालकर गिनते हैं। महमूद गिनता है, एक-दो... दस-बारह। उसके पास बारह पैसे हैं। मोहसिन के पास पंद्रह पैसे हैं। इनसे अनगिनत चीज़ें लाएँगे- खिलौने, मिठाइयाँ, बिगुल, गेंद और न जाने क्या-क्या। और सबसे ज़्यादा प्रसन्न है हामिद। वह भोली सूरत का चार-पाँच साल का दुबला-पतला लड़का था। उसका पिता गत वर्ष हैज़े की भेंट हो गया और माँ न जाने क्यों पीली पड़ती गयी और एक दिन वह भी परलोक सिधार गयी। किसी को पता न चला कि आख़िर अचानक यह क्या हुआ।

अब हामिद अपनी दादी अमीना की गोदी में सोता है। दादी अम्मा हामिद से कहती है कि उसके अब्बाजान रुपये कमाने गये हैं। अम्मीजान अल्लाह मियाँ के घर से उसके लिए बहुत-सी अच्छी चीज़ें लाने गयी हैं। आशा तो बड़ी चीज़ है। हामिद के पाँव में जूते नहीं हैं, सिर पर एक पुरानी टोपी है, जिसका गोटा काला पड़ गया है। फिर भी वह प्रसन्न है।

अभागिन अमीना अपनी कोठरी में बैठी रो रही है। आज ईद का दिन है और उसके घर में दाना तक नहीं है। लेकिन हामिद! उसके अंदर प्रकाश है, बाहर आशा की किरण। हामिद भीतर जाकर दादी से कहता है- ''तुम डरना नहीं अम्मा, मैं सबसे पहले आऊँगा। बिलकुल न डरना।

अमीना का दिल कचोट रहा है। गाँव के बच्चे अपने पिता के साथ जा रहे हैं। हामिद का अमीना के सिवा कौन है? भीड़ में बच्चा कहीं खो गया तो क्या होगा? तीन

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

कोस चलेगा कैसे? पैरों में छाले पड़ जाएँगे। जूते भी तो नहीं हैं। वह थोड़ी दूर चलकर, उसे गोदी ले लेगी, लेकिन यहाँ सेवइयाँ कौन पकाएगा? पैसे होते तो लौटते-लौटते सारी सामग्री जमा करके झटपट बना लेती। यहाँ तो चीज़ें जमा करते-करते घंटों लगेंगे।

गाँव से मेला चला। और बच्चों के साथ हामिद जा रहा था। शहर का दामन आ गया। सड़क के दोनों ओर अमीरों के बगीचे हैं। बड़ी-बड़ी इमारतें - अदालत, कॉलेज, क्लब, घर आदि दिखायी देने लगे। ईदगाह जानेवालों की टोलियाँ नज़र आने लगीं। एक-से-एक भड़कीले वस्त्र पहने हुए हैं। सहसा ईदगाह नज़र आयी और उसी के पास ईद का मेला। नमाज़ पूरी होते ही सब बच्चे मिठाई और खिलौनों की दुकानों पर धावा बोल देते हैं। हामिद दूर खड़ा है। उसके पास केवल तीन पैसे हैं। मोहसिन भिश्ती खरीदता है, महमूद सिपाही, नूरे वकील और सम्मी धोबिन। हामिद खिलौनों को ललचाई आँखों से देखता है। वह अपने आपको समझाता है, ''मिट्टी के तो हैं, गिरें तो चकनाचूर हो जाएँ।'' फिर मिठाइयों की दुकानें आती हैं। किसी ने रेवड़ियाँ लीं, किसी ने गुलाबजामुन, किसी ने सोहन हलवा। मोहसिन कहता है, ''हामिद, रेवड़ी ले ले, कितनी खुशबूदार है।'' हामिद ने कहा, ''रखे रहो, क्या मेरे पास पैसे नहीं हैं?''

सम्मी बोला, ''तीन ही पैसे तो हैं, तीन पैसे में क्या-क्या लोगे?'' हामिद मौन रह गया।

मिठाइयों के बाद लोहे की चीज़ों की दुकानें आती हैं। कई चिमटे रखे हुए थे। हामिद को ख्याल आता है, दादी के पास चिमटा नहीं है। तवे से रोटियाँ उतारती हैं तो हाथ जल जाते हैं, अगर चिमटा ले जाकर दादी को दे दें, तो वह कितनी प्रसन्न होंगी। फिर उनकी उँगलियाँ कभी नहीं जलेंगी। दादी अम्मा चिमटा देखते ही दौड़कर मेरे हाथ से ले लेंगी और कहेंगी- ''मेरा बच्चा! अम्मा के लिए चिमटा लाया है। हज़ारों दुआएँ देती रहेंगी। फिर पड़ोस की औरतों को दिखाएँगी। सारे गाँव में चर्चा होने लगेगी। हामिद चिमटा लाया है। कितना अच्छा लड़का है। बड़ों की

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

दुआएँ सीधे अल्लाह के दरबार में पहुँचती हैं और तुरंत सुनी जाती हैं। हामिद ने दुकानदार से पूछा, ''यह चिमटा कितने का है?'' छह पैसे क़ीमत सुनकर हामिद का दिल बैठ गया। हामिद ने कलेजा मज़बूत करके कहा, ''तीन पैसे लोगे?'' दुकानदार ने बुलाकर चिमटा दे दिया। हामिद ने उसे इस तरह कंधे पर रखा, मानो बंदूक हो और शान से अकड़ता हुआ संगियों के पास आया। दोस्तों ने मज़ाक किया, ''यह चिमटा क्यों लाया पगले! इसे क्या करेगा?''

घर आने पर अमीना हामिद की आवाज़ सुनते ही दौड़ी और उसे गोद में उठाकर प्यार करने लगीं। सहसा हाथ में चिमटा देखकर वह चौंकी।

''यह चिमटा कहाँ से लाया?''

''मैंने मोल लिया है अम्मा।''

''कितने पैसे में?''

''तीन पैसे दिये।''

अमीना ने अपने माथे पर हाथ रखा। वह अफ़सोस करती हुई, आह! भरती हुई बोली- ''यह कैसा बेसमझ लड़का है कि दोपहर हुई, कुछ खाया न पिया। लाया क्या, चिमटा! सारे मेले में तुझे और कोई चीज़ न मिली, जो यह लोहे का चिमटा उठा लाया?''

हामिद ने अपराधी भाव से कहा, ''तुम्हारी उँगलियाँ तवे से जल जाती थीं, यह मुझसे देखा न जाता था अम्मा। इसलिए मैं इसे लिवा लाया।''

अमीना का क्रोध तुरंत स्नेह में बदल गया। यह मूक स्नेह था, मार्मिक प्रेम था जो रस और स्वाद से भरा। बच्चे में कितना त्याग, कितना सद्भाव और कितना विवेक है। दूसरों को खिलौने लेते और मिठाई खाते देखकर इसका मन कितना ललचाया होगा! वहाँ भी अपनी बुढ़िया दादी की याद बनी रही। अमीना का मन गद्गद् हो गया। आँचल फैलाकर हामिद को दुआएँ देती जातीं और आँसुओं की बड़ी-बड़ी बूँदें गिराती जाती थीं। हामिद इसका रहस्य क्या समझता!

- (प्रेमचंद की कहानी पर आधारित)

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

ईदगाह कहानी के पाठ पठन

'' ईदगाह'' प्रेमचंद द्वारा रचित एक मार्मिक बाल - कथा है जो त्याग, संवेदनशीलत और बाल - मनोविज्ञान का सुंदर चित्रण प्रस्तुत करती है ।

उन्मुखीकरण के अंतर्गता दिए हैं ।

1. **मुख्य पात्र :** कहानी का नायक हामिद एक गरीब अनाथ बालक है जो अपनी दादी अमीाना के साथ रहता है ।
2. **ईद का उत्साह :** ईद के दिन हामिद अपने साथियों के साथ ईदगाह जाता है, जहाँ सब बच्चो खिलौने और मिठाइयाँ खरीदते हैं ।
3. **विवेकपूर्ण निर्णय :** हामिद अपने तीन पैसों से खिलौने या मिठाई की बजाय एक चिमटा खरीदता है जो उसके साथियों को हैरान करता है ।
4. **त्याग और परिपक्वता :** हामिद का यह निर्णय उसकी दादी के प्रती प्रेम और चिंता को दर्शाता है, क्योंकि दादी रोटी सेंकते समय हाथ जला लेती थी. ।
5. **भावनात्मक चरमोत्कर्ष :** घर लौटकर जब हामिद दादी को चिमटा देता है तो दादी पहले नाराज होती हैं, फिर उसके त्याग को समझकर भावुक हो जाती हैं ।
6. **संदेश :** यह कहानी बताती है कि सच्चा प्रेम और परिपक्वता उम्र पर निर्भर नहीं करती, और त्याग ही सबसे बड़ा उपहार है ।

प्रश्न :

1. हामिद का स्वाभाव कैसा है ?
2. हामिद के खुशी का कारण क्या है ?

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

अर्थग्राह्यता - प्रतिक्रिया प्रश्नों की विशेषताएँ

इस पृष्ठ पर दिए गए अर्थग्राह्यता - प्रतिक्रिया प्रश्नों की मुख्य विशेषताएँ निम्न लिखित है ।

1. **बहुस्तरीय प्रश्न प्रारुप**

- प्रश्नों को विभिन्न खंडों विभाजित किया है : (अ) (आ) (इ) (ई)
- प्रत्येक खंड में अलग - अलग प्रकार के प्रश्न हैं जो विविध कौशलों का परीक्षण करते हैं ।

2. **विविध प्रश्न प्रकार**

- खंड (अ) विस्तृत उत्तर वाले प्रश्न दिए हैं । कहानीकार की पहचान और रचनाओं की विशेषता, हामिद के स्वभाव का विश्लेषण
- खंड (आ) : हाँ / नहीं प्रश्न दिए गए हैं । - तथ्यात्मक जानकारी की जाँच
- खंड (इ) : रिक्त स्थान पूर्ति के प्रश्न दिए गए हैं । - शब्दावली और संदर्भ समझ
- खंड (ई) : अनुच्छेद पढ़कर प्रश्नों के उत्तर - गहन पठन और समझ की परीक्षा (श्रवण कुमार के बारे में दिए गए हैं ।)
- सभी प्रश्न 'ईदगाह' कहानी (प्रेमचमद की कहानी) पर आधारित हैं ।
- कहानी के विशिष्ट प्रसंगों और पात्रों से संबंधीत प्रश्न दिए गए हैं ।

भाषा कौशल का समग्र मूल्यांकन

- पठन कौशल (अनुच्छेद पढ़ना)
- लेखन कौशल (विस्तृत उत्तर लिखना)
- शब्द ज्ञान (रिक्त स्थान भरना)
- समझ और व्याख्या कौशल

प्रश्न :

1. हामिद चिमटा क्यों खरीदना चाहता था ?

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

अभिव्यक्ति - सृजनात्मकता

अ) के अंतर्गत छात्रों को अपने विचार 3-4 पंक्तियों में लिखने के लिए कहा है, जैसे हामिद के स्थान पर आप होते तो क्या करते और दादी के प्रति हामिद की भावनाएँ ।

आ) के अंतर्गत स्वरचित निबंधात्मक प्रश्न कहानी का सारेशं लिखने के लिए कहा गया ।

इ) के अंतर्गत सृजनात्मक अभिव्यक्ति प्रश्न हमिद और उसके मित्र के बीच हुई बातचीत की घटना को संवाद के रूप में लिखने के लिए कहा गया है ।

ई) के अंतर्गत प्रशंसा का प्रश्न दिया गया है ।

बड़े बुजुमो के प्रति आदार, श्रद्‌ा और स्नेह भावनाओं का महत्वओं का महत्व लिखने के प्रश्न दिए गए हैं ।

इससे छात्रों की रचनात्मक सोच और लेखन की क्षमता विकसित होती है ।

प्रश्न :

1. अपनी दादी के प्रति हामिद की भावनाएं कैसी थीं अपने शबदों में लिखिए ।
2. 'ईदगाह' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
3. हामिद और उसके मित्रों के बीच हुई बातचीत की किसी एक घटना को संवाद के रूप में लिखिए।
4. बड़े-बुज़ुर्गों के प्रति आदर, श्रद्‌धा और स्नेह भावनाओं का महत्व अपने शब्दोंमें बताइए ।
5. वरिष्ठ नागरिकों (वयोवृद्‌धों) के प्रति आदर-सम्मान की भावना से जुड़ी कोई कहानी बताइए।
6. 'ईदगाह' कहानी में मन को लेनेवाली घटना क्या है ?
7. मेले में हामिद की प्रतिक्रियाँए कैसी थी ?
8. हामिद अपना दादी के पास रहता है ? क्यों ?

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

भाषा की बात

''अ'' शब्द भंडार के प्रश्न

पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, वचन बदवने से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं । सरल भाषा में परिभाषा बताकर अन्य उदाहरण भी प्रस्तुत करना चाहिए ।

''आ'' शब्द संबंधी व्याकरणांश के प्रश्न ।

उपसर्ग प्रत्यय, भाववाचक संज्ञा से बदलने से संबधित प्रश्न दिए गए हैं। पाठ में आए अन्य उपसर्ग और प्रत्यय शब्दों का भी परिचय कराना चाहिए ।

''इ'' शब्द संबंधी व्यावहारिक व्याकरणांश के प्रश्न ।

इन्हे समझिए और अभ्यास कीजिए ।

''ई'' वाक्य संबंधी व्यावहारिक व्याकरणांश के प्रश्न ।

उदाहरण समझ कर वाक्य बदलना, मुहावरे पहचानने से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं । मुहावरे की परिभाषा बताकर अन्य उदाहरण भी प्रस्तुत करना चाहिए ।

1.कोष्ठक में दी गयी सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए।

1. ईद, प्रभात, वृक्ष (एक-एक शब्द का वाक्य प्रयोग कीजिए और उसके पर्याय शब्द लिखिए।)
2. अपराधी, प्रसन्न (एक-एक शब्द का विलोम शब्द लिखिए और उससे वाक्य प्रयोग कीजिए।)
3. मिठाई, चिमटा, सड़क (एक-एक शब्द का वचन बदलिए और वाक्य प्रयोग कीजिए।)

2.सूचना पढ़िए और उसके अनुसार कीजिए।

1. बेसमझ, सद्भाव, निडर (उपसर्ग पहचानिए।)
2. दुकानदार, भड़कीला, ग़रीबी (प्रत्यय पहचानिए।)
3. मीठा, प्रसन्न, बूढ़ा (भाववाचक संज्ञा में बदलिए।)

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

उपचारात्मक शिक्षण

1. कहानी का सरांश सरल शब्दों में दिए गए हैं ।
2. कठिन शब्दों के अर्थ श्याम पट पर लिखकर समझे गए हैं ।
3. पात्रों के परिचय रोल प्ले के माध्यम से बताए गए हैं ।

   सूचना : व्याकरण संबंधी जो परिभाषाए दी गयी हैं उन्हे पुनःचरण कराना चाहिए के परिचय रोल प्ले के माध्यम से बताए गए हैं ।

प्रश्न :

1. आपका प्रिय त्यौहार कौन-सा है ? उस त्यौहार के बारे में 10 वाक्यों में निबंध लिखिए ।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. अमीना का क्रोध तुरंत ..... में बदल गया।
2. क़ीमत सुनकर हामिद का दिल.....गया।
3. हामिद ..... लाया।
4. महमूद के पास ..... पैसे थे।

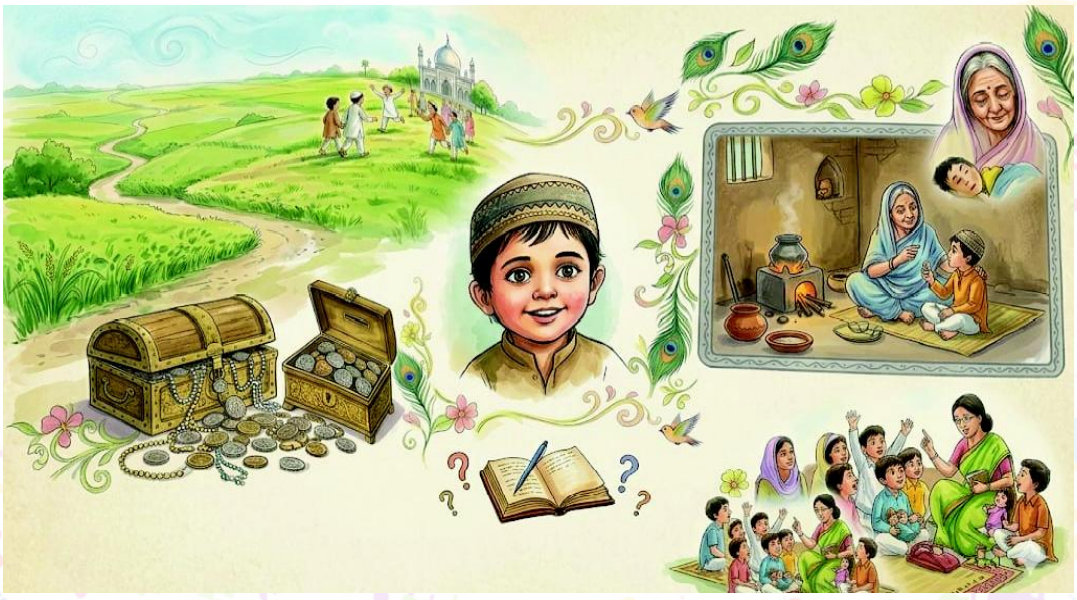

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

3. हम भारतवासी

कविः आर.पी.निशंक

उन्मुखीकरण

स्वामी विवेकानंद के इस कथन में 'मानवीय एकता' का संदेश दिया गया है । नदियों के रूपक के माध्यम से यह समझाया गया है कि जैसे सबी नदियाँ अंततः समुद्र में मिलती हैं, उसी प्रकार सभी धर्मों के मनुष्य परमात्म तक पहुँचते हैं ।

अनुच्छेद की विशेषताएँ :

1. रूपक अलंकरा का प्रयोग

   - 'नदी और समुद्र' का उदाहरण देकर धर्म और परमात्मा के संबंध को सरल भाषा में समझाया गया है ।

2. धार्मिक सहिष्णुता का संदेश

   - कोई भी धर्म छोटा या बड़ा नहीं - यह विचार 'सर्वधर्म समभाव' को दर्शाता है ।

3. सरल एवं प्रभावशाली भाषा

   - भाषा सहज, बोधगम्य और 'बालकों के अनुकूल' है ।

4. वैश्विक दृष्टिकोण

   - ''मानव जाति एक है'' - यह वाक्य ''विश्वबंधुत्व'' की भावना को व्यक्त करता है ।

प्रश्नों की विशेषताएँ

1. निदियाँ किसमें विलीन होती हैं? ''बोध परीक्ष'' - सीधा तथ्यात्मक प्रश्न ।
2. किस-किस को एक बताया गया है? ''विश्लेषण क्षमता'' का विकास
3. 'मानव जाति एक है' पर विचार ''चिंतन एवं अभिव्यक्ति'' कौशल का विकास

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

DAY-15: MONDAY DATE : 3.04.2026

पाठ पठन

1. देशभक्ति एवं राष्ट्रीय चेतना - यह कविता आर.पी.'निशंक' द्वारा रचित एक प्रेरणादायक गीत है, जिसमें भारतवासियों के गौरव और उनकी जिम्मेदारी का सुंदर चित्रण किया गया है । कवि ने ''हम भारतवासी दुनिया को पावन धाम बनायेंगे'' की पंक्ति को बार-बार दोहराकर राष्ट्रीय संकल्प को दृढ़ता से व्यक्त किया है ।
2. सामाजिक समरसता का संदेश - कविता में ऊँच-नीच का भेद मिटाने, नफरत का कुहासा तोड़ने और दिल में प्रेम बसाने की बात कही गई है, जो ''सामाजिक समानता और भाईचारे'' की भावना को जागृत करती है ।
3. मानवीय कर्तव्यबोध - भटकते लोगों को राह दिखाना, उलझे हुओं को तथ्य का दीप समझाना - ये पंक्तियाँ पाठक में ''सेवा और मार्गदर्शन'' की भवना उत्पन्न करती हैं ।
4. नैतिक मूल्यों का समावेश - सत्य, अहिंसा, त्याग और समर्पण जैसे ''भारतीय आदर्श'' को कविता में बड़े प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है ।
5. विश्वबंधुत्व की भावना - ''विश्वबंधुत्व का मूल मंत्र हम, दुनिया में सरसायेंगे'' - इस पंक्ति में भारत की ''वसुधैव कुटुम्बकम्'' की प्राचीन परंपरा का सुंदर प्रतिबिंब दिखता है ।
6. भाषा-शैली की सरलता - कविता की भाषा सरल, लयबद्ध और प्रवाहमयी है, जिससे छात्र इसे सहजता से पढ़, समझ और ''कंठस्थ'' कर सक्ते हैं ।

प्रश्न :

1. यह गीत आपको कैसे लगा ।
2. ऊँच-नीच का भेद मिटाने के लिए हम क्या-क्या कर सकते हैं?

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

अर्थग्राह्यता-प्रतिक्रिया

1. प्रश्नों के उत्तर - इसमें कविता से संबंधित प्रश्न दिए गए हैं, जिनका उत्तर देकर विद्यार्थी कविता का अर्थ समझते हैं ।
2. दिये गये पद्यांश पढ़कर मुख्य शब्द पहचानना - इससे छात्रों की समझ और भाषा कौशल विकसित होता है ।
3. भाव की पंक्तियाँ लिखना - दिए गए भावों के अनुसार कविता की सही पंक्तियाँ लिखनी होती हैं, जिससे कविता के भाव को समझने में मदद मिलती है।
4. पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर देना - कविता के एक अंश को पढ़कर बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं । इससे विद्यार्थी की पठन और समझने की क्षमता बढ़ती है ।

प्रश्न :

1. दुनिया को पावन धाम बनाने के लिए हम क्या क्या कर सकते है ?

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

अभिव्यक्ति-सृजनात्मकता

अ) के अंतर्गत बच्चों को अपने विचार 3-4 पंक्तियों में लिखने के लिए कहा गया है, जैसे उलझनों से बचने रहने के लिए सावधानियाँ, निराशावादी और आशावादी के स्वभावों में अंतर ।

आ) के अंतर्गत स्वरचना निबंधात्मक प्रश्न में धरती को स्वर्ग बनाने की बात कही गई है हम इससे क्या सहयोग दे सकते हैं प्रश्न दिया गया है।

इ) के अंतर्गत सृजनात्मकता अभिव्यक्ति प्रश्न के अंतर्गत साक्षात्कार लेने के लिए प्रश्नों की सूची तैयार कीजिए प्रश्न दिया गया है।

ई) के अंतर्गत प्रशंसा के प्रश्न सत्य, अहिंसा, त्याग आदि भावनाओं का हमारे जीवन में क्या महत्व है प्रश्न दिया गया है ।

इससे बच्चों की रचनात्मक सोच और लिखने की क्षमता विकसित होती है ।

भाषा की बात

''अ'' शब्द भंडार के प्रश्न ।

पर्याय शब्द, विलोम शब्द, वचन बदलिए वाक्य प्रयोग कीजिए प्रश्न दिए गए हैं ।

''आ'' शब्द संबंधी व्याकरणांश के प्रश्न ।

संधि विच्छेद, समास पहचानिए प्रश्न दिए गए हैं । संधि की परिभाषा देकर अन्य उदाहरण भी प्रस्तुत करना चाहिए ।

''इ'' शब्द संबंधी व्याकरण के प्रश्न ।

इन्हें समझिए और वाक्य प्रयोग कीजिए प्रश्न दिए गए हैं ।

''ई'' वाक्य संबंधी, व्यावहारिक व्याकरण के प्रश्न हैं ।

उदाहरण समझिए और उसके अनुसार वाक्य बदलिए, कविता में आए मुहावरे पहचानिए प्रश्न दिए गए हैं ।

बोध प्रश्न :

1. भारतवासी दुनिया को क्या बनाना चाहते हैं ?
2. दूसरों के प्रति नफ़रत करने से समाज को क्या - क्या मुकसान होता है?
3. भारतवासीयों में क्या - क्या भावनाएँ कूट-कूटकर भरी हैं ?

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

उपचारात्मक शिक्षण (Remedial Teaching)

''हम भारतवासी''

1. जिन विद्यार्थियों को कविता पढ़ने में कठिनाई होती है, उन्हें शिक्षक अलग से धीरे-धीरे और स्पष्ट पठन का अभ्यास कराएँगे ।
2. कठिन शब्दों को बोर्ड पर लिखकर उनके अर्थ और सही उच्चारण बार-बार करवाया जाएगा।
3. कविता के भाव को समझाने के लिए चित्र, उदाहरण और बातचीत का सहारा लिया जाएगा ।
4. कमजोर विद्यार्थियों को समूह में पढ़ने और प्रश्नों के उत्तर देने का अवसर दिया जाएगा।
5. उनकी समझ बढ़ाने के लिए सरल अभ्यास और मौखिक प्रश्न दिए जाएँगे ।
6. आवश्यकता होने पर शिक्षक अतिरिक्त अभ्यास कार्य और पुनरावृत्ति कराएँगे ।

नीचे दिया गया पद्यांश पढ़कर सही उत्तर पहचानिए।

आज़ादी अधिकार सभी का जहाँ बोलते सेनानी,
विश्व शांति के गीत सुनाती जहाँ चुनरिया ये धानी,
मेघ साँवले बरसाते हैं, जहाँ अहिंसा का पानी,
अपनी माँगें पोंछ डालती, हँसते-हँसते कल्याणी,
ऐसी भारत माँ के बेटे मान गँवाना क्या जानें,
मेरे देश के लाल हठीले शीश झुकाना क्या जानें।

1. धानी रंग की चुनरी कौन-सा गीत सुना रही है?
   (अ) अधिकार का (आ) आज़ादी का
   (इ) विश्वशांति का (ई) अहिंसा का
2. भारत के लाल कैसे हैं?
   (अ) सजीले (आ) साँवले (इ) हठीले (ई) निराले
3. सैनिक किसे सभी का अधिकार मानते हैं?
   (अ) आज़ादी को (आ) शांति को (इ) अहिंसा को (ई) मान को
4. 'मान' शब्द का विलोमार्थक है-
   (अ) निरमान (आ) दुरमान
   (इ) अपमान (ई) स्वमान

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

DAY-19: THURSDAY DATE : 19.04.2026

1. बरसते बादल - सुमित्रानंदन पंत

यह एक कविता है ।

इसके कवि सुमित्रानंदन पंत हैं ।

इस कविता में प्रकृति का सुंदर वर्णन किया गया है ।

कवि ने बरसते बादलों, वर्षा और हरियाली का चित्रं प्रस्तुत किया है ।

वर्षा से धरती खुश हो जाती है और किसानों को लाभ होता है ।

इस कविता से हमें प्रकृति से प्रेम करने की प्रेरणा मिलती है ।

2. ईदगाह - प्रेमचंद

यह एक कहानी है ।

इसके लेखक मुंशी प्रेमचंद हैं ।

इस कहानी का मुख्य पात्र हामिद है ।

हामिद अपनी दादी अमीना के साथ रहता है।

ईद के मेले में दूसरे बच्चे खिलौने और मिठाई लेते हैं ।

लेकिन हामिद अपनी दादी के लिए चिमटा खरीदता है ।

इस कहानी से हमें बड़ों के प्रति प्रेम, त्याग और समझदारी की शिक्षा मिलती है ।

3. हम भारतवासी - आर.पी.निशंक

यह एक देशभक्ति से भरी कविता है ।

इसके कवि आर.पी.निशंक हैं ।

इस कविता में भारत देश की एकता और महानता का वर्णन किया गया है ।

भारत में अनेक भाषाएँ, धर्म और संस्कृतियाँ हैं ।

फिर भी हम सभी भारतीय एक हैं ।

इस कविता से हमें देशप्रेम और राष्ट्रीय एखता की प्रेरणा मिलती है ।

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net

उपरोक्त तीन पाठों पर छोटा परीक्षा आयोजित करने के लिए शिक्षक के लिए सूचनाएँ :

अध्यापक छात्रों को 'बरसते बादल', 'ईदगह' और 'हम भारतवासी' पाठों को दोहराने के लिए कहें।

अध्यापक इन तीनों पाठों पर आधारित एक छोटा परीक्षा (लघु परीक्षण) आयोजित करें।

परीक्षा में सरल प्रश्न, शब्दार्थ और छोटे उत्तर वाले प्रश्न शामिल करें।

छात्र ध्यानपूर्वक प्रश्नों को पढ़कर उत्तर लिखें ।

अध्यापक परीक्षा के बाद छात्रों के उत्तरों की जाँच करें और आवश्यक सुझाव दें ।

इस परीक्षा के माध्यम से अध्यापक छोत्रों की समझ और तैयारी का मूल्यांकन करें ।

अध्यापक छोत्रों को उनकी त्रुटियों को सुधारने के लिए मार्गदर्शन दें ।

धन्यवाद

GSR INFO - www.gsrmaths.in www.apbadi.net